रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
रविवार, 17 नवंबर 2019, बरेली, पंच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

एसआरएमएस में 5वीं मेडिसिन अपडेट कांफ्रेंस शुरू, देशभर के कई डॉक्टर शामिल

लीवर खराब करता है मोटापा

आयोजन

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

मोटापा और सेहतमंद होने में अंतर है। इसे समझना जरूरी है। हर इंसान को अपना बीएमआई (बाडी मास इंडेक्स) संतुलित रखना चाहिए। इसके लिए अहम है मोटापे पर कंट्रोल करना। मोटापा की वजह से ही लीवर खराब होता है। शनिवार को श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेंज के मेडिसिन विभाग की तरफ से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में डॉक्टरों ने ये जानकारी दी।

पहले दिन हैदराबाद से आए डा. पीएन राव ने लीवर से जुड़ी बीमारियों और उनके इलाज के बारे में बताया। डॉ. स्मिता गुप्ता ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस चिकित्सकों को मेडिसन के क्षेत्र में हुई नई तकनीक को साझा करने का मंच है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एम्स के डा. जीसी खिलनानी ने किया। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना ही मुख्य सफलता है। डा. विनोद दीक्षित, डा. अनिल अरोरा ने दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण लीवर में होने वाली परेशानी के बारे में बताया।

ग्रन्थी और स्राव रोग और उसके उपचार के बारे में गोरखपुर से आए डा. आलोक कुमार गुप्ता, डा. एके चौहान और डा. संजय टंडन ने बताया। संस्थान के प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति ने कहा कि देश में विदेशों जैसी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है, जरूरत उनको आम लोगों तक पहुंचाने की है।

मेडिसिन अपडेट की यह 5वीं कांफ्रेंस है जिसका उद्देश्य शहर के डॉक्टरों तक आधुनिक शोध की जानकारी साझा करना है। इस मौके पर आयोजन अध्यक्षा डा. निर्मल यादव, आयोजन चेयरपर्सन डा. शरद जौहरी, संस्थान के प्राचार्य डा. एसबी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एसआरएमएस में 5वीं मेडिसिन कांफ्रेंस में अतिथियों को सम्मानित करते देवमूर्ति। • हिन्दुस्तान

30 साल से नहीं आई नई एंटीबायोटिक

दिल्ली से आए वरिष्ठ चिकित्सक डा. जीसी खिलनानी ने कहा कि बैक्टीरिया में प्रतिरोधक क्षमता विकसित होना स्वाभाविक गुण है। ऐसे में दवा का उस पर प्रभाव कम होने लगता है लेकिन दवाओं की नई जेनेरेशन का अस्तित्व में आना एक लंबी प्रक्रिया है। बीते 30 सालों में कोई नई एंटीबायोटिक नहीं आई है।

ब्रेन इंफेक्शन की पहचान समय पर जरूरी

बर्मिघम से आए डा. राज चंद्राप्पा ने ब्रेन इंफेक्शन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इलाज में सबसे महत्वपूर्ण चरण है, लक्षण की पहचान कर पाना। जब तक किसी मरीज को सही तरीके से डायग्नोस नहीं किया जाएगा, उपचार सही नहीं होगा। किसी भी बीमारी में शुरुआती चरण सबसे महत्वपूर्ण हैं।